Drishti IAS

करेंट अफेयर्स बिहार

अगस्त (संग्रह)

2023

Drishti, 641, First Floor, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry (English): 8010440440, Inquiry (Hindi): 8750187501
Email: help@groupdrishti.in

अनुक्रम

- बिहार के मुख्यमंत्री ने 29 साहित्यकारों को किया सम्मानित 3
- बाढ़ एनटीपीसी की चौथी इकाई शुरू, बिहार को मिलने लगी 396 मेगावाट अतिरिक्त बिजली 5
- पटना के 15 वर्षीय छात्र प्रणव ने बनाया बाज़ार से कई गुना सस्ता स्मार्ट इन्वर्टर 6
- अमृत भारत स्टेशन योजना : बिहार के ये 49 रेलवे स्टेशन बनेंगे वर्ल्ड क्लास, प्रधानमंत्री ने किया शिलान्यास 7
- 'संसद में नीतीश कुमार' पुस्तक का हुआ विमोचन 8
- जल संसाधन मंत्री ने 'कटाव निरोधक योजना' का किया लोकार्पण 9
- इंडो-जापान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का हुआ उद्घाटन 9
- बिहार कैबिनेट में 9 एजेंडों पर लगी मुहर 11
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिये बिहार के छह शिक्षक नामित 12
- बिहार के 21 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रीय पदक 13
- बिहार से जुड़ी दो रेल परियोजनाओं को मंज़ूरी मिली 14
- कृषि विभाग की झाँकी को मिला पहला स्थान 15
- बिहार के बाढ़ में एनटीपीसी की 660 मेगावाट की सुपर थर्मल पावर परियोजना राष्ट्र को समर्पित 17
- बिहार के लखीसराय में पावर ग्रिड सब-स्टेशन के विस्तार की आधारशिला रखी गई 18
- बिहार पर्यटन विभाग एवं भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के मध्य समझौता 19
- देश के सबसे बड़े एग्जाम सेंटर 'बापू परीक्षा परिसर' का पटना में हुआ उद्घाटन 20
- बिहार के 4 किसानों और 2 किसान समूहों का जीनोम सेवियर पुरस्कार के लिये चयन 21
- बिहार के 3 अध्यापकों को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 23
- सुशील मोदी और विवेक ठाकुर बनाए गए संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष 25
- राजकीय शिक्षा पुरस्कार के लिये 20 शिक्षक/शिक्षिकाएँ चयनित 25

नोट :

बिहार

बिहार के मुख्यमंत्री ने 29 साहित्यकारों को किया सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

31 जुलाई, 2023 को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने हिन्दी सेवी सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह का उद्घाटन किया। साथ ही 29 साहित्यकारों को सम्मानित किया।

प्रमुख बिंदु

- मंत्रिमंडल सचिवालय (राजभाषा) विभाग द्वारा 1 अणे मार्ग स्थित 'लोक संवादश्' में आयोजित इस पुरस्कार वितरण समारोह में वर्ष 2020-21 और वर्ष 2021-22 के अंतर्गत कुल 29 साहित्यकारों को अंगवस्त्र, मेडल, प्रशस्ति पत्र एवं चेक प्रदान कर उन्हें सम्मानित किया।
- मुख्यमंत्री ने वर्ष 2020-21 के अंतर्गत हिन्दी सेवी सम्मान एवं पुरस्कार योजना के तहत डॉ. विश्वनाथ प्रसाद तिवारी को 'डॉ. राजेंद्र प्रसाद शिखर सम्मान', डॉ. अशोक कुमार को 'बाबासाहेब भीमराव अंबेदकर पुरस्कार', मृणाल पांडे को 'जननायक कर्पूरी ठाकुर पुरस्कार', डॉ. सुशीला टाकभौरे को 'बी.पी.' मंडल पुरस्कार'से सम्मानित किया।
- वहीं कविवर सत्यनारायण को 'नागार्जुन पुरस्कार', रामश्रेष्ठ दीवाना को 'राष्ट्रकवि दिनकर पुरस्कार', जाबिर हुसैन को 'फणीश्वरनाथ रेणु पुरस्कार', डॉ. पूनम सिंह को 'महादेवी वर्मा पुरस्कार', डॉ. के. वनजा को 'बाबू गंगाशरण सिंह पुरस्कार', दक्षिण भारत हिन्दी प्रचार सभा (हैदराबाद, तेलंगाना) को 'विधाकर कवि पुरस्कार', गीता श्री को 'विद्यापति पुरस्कार', डॉ. राकेश कुमार सिन्हा रवि को 'मोहनलाल महतो 'वियोगी'पुरस्कार', भगवती प्रसाद द्विवेदी को 'भिखारी ठाकुर पुरस्कार', डॉ. छाया सिन्हा को 'डॉ. ग्रियर्सन पुरस्कार'एवं अनंत विजय को 'डॉ. फादर कामिल बुल्के पुरस्कार'से सम्मानित किया।
- वहीं वर्ष 2021-22 के अंतर्गत हिन्दी सेवी सम्मान एवं पुरस्कार योजना के तहत मधुसूदन आनंद को 'डॉ. राजेंद्र प्रसाद शिखर सम्मान', बलराम को 'बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर पुरस्कार', डॉ. चंद्र त्रिखा को 'जननायक ठाकुर पुरस्कार', डों इरशाद कामिल को 'बीपी मंडल पुरस्कार', भोला पंडित प्रणयी को 'नागार्जुन पुरस्कार', अनिरुद्ध सिन्हा को 'राष्ट्रकवि दिनकर पुरस्कार', डॉ. शहनाज फातमी को 'फणीश्वरनाथ रेणु पुरस्कार', डॉ. भावना को 'महादेवी वर्मा पुरस्कार', गुरमीत सिंह को 'बाबू गंगाशरण सिंह पुरस्कार', असम राष्ट्रभाषा प्रचार समिति को 'विद्याकर कवि पुरस्कार', कविता प्रयागराज को 'विद्यापति पुरस्कार', महेंद्र नारायण पंकज को 'मोहनलाल महतो, वियोगी पुरस्कार', डॉ आशीष कथवे को 'डॉ. प्रियर्सन पुरस्कार'एवं विभा रानी को 'डॉ फादर कामिल बुल्के पुरस्कार'से सम्मानित किया
- मुख्यमंत्री ने हिन्दी सेवी सम्मान एवं पुरस्कार वितरण समारोह में विभिन्न पुरस्कारों के तहत प्रदान की जानेवाली न्यूनतम धनराशि 50,000 रुपए से बढ़ाकर 1 लाख रुपए से ज्यादा करने की सिफारिश की।

नोट :

नोट :

बाढ़ एनटीपीसी की चौथी इकाई शुरू, बिहार को मिलने लगी 396 मेगावाट अतिरिक्त बिजली

चर्चा में क्यों ?

1 अगस्त, 2023 को एनटीपीसी बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के स्टेज-वन के 660 मेगावाट की दूसरी इकाई से वाणिज्यिक बिजली उत्पादन शुरू हो गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार द्वारा तय आवंटन के हिसाब से इस यूनिट से 60 प्रतिशत यानी 396 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली की आपूर्ति बिहार को मिलने लगी है। शेष बिजली झारखंड, ओडिसा और सिक्किम राज्यों को दी जा रही है।

प्रमुख बिंदु

- बाढ़ परियोजना के कार्यकारी निदेशक असित दत्ता ने बताया कि बाढ़ स्टेज वन की तीसरी और अंतिम इकाई का काम प्रगति पर है और इसके अगले साल तक पूरा होने की संभावना है।
- एनटीपीसी के प्रवक्ता विश्वनाथ चंदन ने बताया कि बाढ़ प्लांट के स्टेज वन की दूसरी यूनिट से वाणिज्यिक बिजली उत्पादन शुरू होने से बाढ़ संयंत्र से बिहार को मिलने वाली कुल बिजली का कोटा 1526 मेगावाट से बढ़कर 1922 मेगावाट तक पहुँच गया है।
- बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्लांट अब 660 मेगावाट की अपनी चार इकाइयों के माध्यम से कुल 2640 मेगावाट का वाणिज्यिक विद्युत उत्पादन करने लगा है, जिसमें से बिहार को कोटे के मुताबिक 1922 मेगावाट बिजली मिलने लगी है। बाढ़ संयंत्र के निर्माण पर 21 हज़ार करोड़ रुपए से भी अधिक की लागत आई है।
- उन्होंने बताया कि बिहार के छह उत्पादन संयंत्रों सहित एनटीपीसी से बिहार का वर्तमान बिजली आवंटन भी 6891 मेगावाट (इसमें 300 मेगावाट सौर ऊर्जा सहित) से बढ़कर 7287 मेगावाट हो गया है।
- ज्ञातव्य है कि बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट के दूसरे स्टेज की 660 मेगावाट की दो इकाइयाँ (यूनिट 4 और 5) क्रमश: 15 नवंबर, 2014 और 18 फरवरी, 2016 से, जबकि स्टेज वन की पहली 660 मेगावाट इकाई नवंबर 2021 से बिजली का वाणिज्यिक उत्पादन कर रही है।
- एनटीपीसी के क्षेत्रीय कार्यकारी निदेशक (पूर्व-1), डीएसजीएसएस बाबजी ने बताया कि वर्तमान में एनटीपीसी की बिहार में लगभग 80 हज़ार करोड़ रुपए की निवेश के साथ कुल छह परियोजनाओं में 9730 मेगावाट बिजली की वाणिज्यिक उत्पादन क्षमता है, जबकि 660 मेगावाट की क्षमता निर्माणाधीन है।
- गौरतलब है कि एनटीपीसी बिहार की औसत दैनिक बिजली मांग के 90% से भी अधिक बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करता है, जो 6,000 से 6,500 मेगावाट के आसपास रहता है। बाढ़ प्लांट के स्टेज 1 की दूसरी यूनिट के 660 मेगावाट अतिरिक्त उत्पादन क्षमता के जुड़ने के साथ ही एनटीपीसी समूह की देश में कुल स्थापित क्षमता 73,024 मेगावाट से अधिक हो गई, जिसमें 43 अक्षय और जल विद्युत परियोजनाओं सहित 89 विद्युत स्टेशन शामिल हैं।

नोट :

पटना के 15 वर्षीय छात्र प्रणव ने बनाया बाज़ार से कई गुना सस्ता स्मार्ट इन्वर्टर

चर्चा में क्यों ?

3 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार पटना के छात्र प्रणव ने महज़ 15 वर्ष की उम्र में बाज़ार में मिलने वाले इन्वर्टर से कई गुना सस्ता टच स्क्रीन वाला इन्वर्टर बना दिया है।

प्रमुख बिंदु

- जानकारी के अनुसार 17वीं बार में प्रणव को सफलता हाथ लगी और स्मार्ट इन्वर्टर बनकर तैयार हो गया।
- इन्वर्टर में टच स्क्रीन डिस्प्ले दिया गया है। टच स्क्रीन डिस्प्ले पर सारे तरह के इंडिकेटर्स दिये गए हैं। सबसे खास बात यह है कि यह इन्वर्टर बाज़ार में मिलने वाले इन्वर्टर से कई गुना सस्ता है।
- यह इन्वर्टर बहुत ज़्यादा लोड देकर प्रयोग करने पर 3 घंटे तक का बैकअप दे सकता है। इसपर पंखा, बल्ब, आयरन, मिक्सर भी चला सकते हैं।
- इसका सिस्टम ऐसा बनाया गया है कि अगर इस इन्वर्टर की वजह से घर में कहीं भी शॉर्ट-सर्किट होता है तो यह अपने आप पावर को कट कर सकता है। बाईपास स्विच भी दिया गया है, जो ओवरलोड होने पर पावर को कट कर सकता है।
- इस स्मार्ट इन्वर्टर में किताब के आकार जैसी बैट्री लगाई गई है, जो इन्वर्टर में ही लगी रहती है। इसका साइज़ 25 सेमी. लंबाई 18 सेमी. चौड़ाई और 3 सेमी. ऊँचाई में है।
- यह बैट्री लिथियम आयन ड्राई सेल है, जो कि लो कॉस्ट और कम वेट वाली है। इसकी एफिशिएंसी 92% है।

नोट :

अमृत भारत स्टेशन योजना : बिहार के ये 49 रेलवे स्टेशन बनेंगे वर्ल्ड क्लास, प्रधानमंत्री ने किया शिलान्यास

चर्चा में क्यों ?

6 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास कार्यों का शिलान्यास वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया। इनमें बिहार के 49 रेलवे स्टेशन शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- गौरतलब है कि इस महत्त्वाकांक्षी अमृत भारत स्टेशन योजना के प्रथम चरण में बिहार के कुल 49 रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास किया जाएगा।
- दरभंगा संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत दो स्टेशन (दरभंगा एवं सकरी स्टेशन) का योजना के तहत प्रधानमंत्री वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया गया। दरभंगा रेलवे स्टेशन को 340 करोड़ की लागत से विश्वस्तरीय स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा तथा सकरी स्टेशन को 18.9 करोड़ की लागत से पुनर्विकसित किया जाएगा।
- इस योजना के अंतर्गत स्टेशन के पश्चिम दिशा में (G+5) अर्थात् छह मंजिला भवन का निर्माण किया जाएगा। वहीं पूर्वी दिशा में भी (G+2) अर्थात् तीन मंजिला भवन का निर्माण होगा, जिसमें यात्रियों के लिये अत्याधुनिक सुविधा उपलब्ध कराई जाएंगी।
- अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत देशभर के 1275 स्टेशनों में शामिल कटिहार-बरौनी रेलखंड का नवगछिया रेलवे स्टेशन का भी कायाकल्प होगा। पहले चरण के रेलवे स्टेशनों में भागलपुर का नवगछिया, पीरपैंती, कहलगांव, सुल्तागनंज भी शामिल हैं।
- उल्लेखनीय है कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पुनर्विकसित की जाने वाले इन स्टेशनों पर वाइड कॉनकोर्स, फुट ओवर ब्रिज, लिफ्ट, एस्केलेटर, वेटिंग रूम, वाणिज्यिक क्षेत्र और रिटेल काउंटर आदि जैसी आधुनिक सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
- योजना में मल्टीमॉडल ट्रांसपोर्ट की परिकल्पना की गई है। अन्य छोटे स्टेशनों पर भी यात्री सुविधाओं का उन्नयन किया जाएगा और उन्हें चौड़े एफओबी, अग्रभाग सुधार, प्रतीक्षा क्षेत्र, लिफ्ट, एस्केलेटर आदि जैसी सुविधाएँ प्रदान की जाएंगी।
- बिहार के इन स्टेशनों का होगा कायाकल्प-
  - अनुग्रह नारायण रोड (औरंगाबाद), लखमीनिया, सलौना (बेगूसराय), कहलगांव, नौगछिया, पीरपैंती, सुल्तानगंज (भागलपुर), आरा, बिहिया (भोजपुर), डुमरांव, रघुरनाथपुर (बक्सर), दरभंगा जंक्शन (दरभंगा), गया जंक्शन, पहाड़पुर (गया), जमुई, सिमतल्ला (जमुई), जहानाबाद (जहानाबाद), भभुआ रोड, दुरगौती, कुद्रा (कैमुर (भभुआ)), बारसोई जंक्शन (कटिहार), खगड़िया जंक्शन, मानसी (खगड़िया), किशनगंज, ठाकुरगंज (किशनगंज), जयनगर, मधुबनी, संकरी (मुधुबनी), जमालपुर जंक्शन (मुंगेर), ढोली, मुजफ्फरपुर जंक्शन, रामदयालु नगर (मुजफ्फरपुर), बिहार शरीफ, राजगीर (नालंदा), नरकटियागंज जंक्शन, सुगौली (पश्चिम चंपारण), बख्तियारपुर, बाढ़, फतुहा, तरेगना (पटना), बापू धाम मोतिहारी (पूर्वी चंपारण), बनमंखी (पूर्णिया), रोहतास, सासाराम (रोहतास), सहरसा (सहरसा), दलसिंह सराय, समस्तीपुर (समस्तीपुर), सोनपुर जंक्शन (सारण), सीतामढ़ी (सीतामढ़ी) तथा हाजीपुर जंक्शन (वैशाली)।

नोट :

'संसद में नीतीश कुमार' पुस्तक का हुआ विमोचन

चर्चा में क्यों ?

4 अगस्त, 2023 को जगजीवन राम संसदीय अध्ययन एवं राजनीतिक शोध संस्थान, पटना में 'संसद में नीतीश कुमार' पुस्तक का विमोचन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- पुस्तक का संपादन समाजविज्ञानी जगनारायण सिंह यादव ने किया है तथा प्रकाशन दिल्ली के साहित्य संसद प्रकाशन ने किया है।
- इस पुस्तक में 1989 से 2005 तक नीतीश कुमार के सांसद और केंद्रीय मंत्री रहने के दौरान संसद में विभिन्न मुद्दों पर दिये भाषण का संग्रह है।
- यह पुस्तक पाँच खंडों में है- पुस्तक के पहले खंड का नाम कृषि प्रधान भारत है। इसमें संसद में नीतीश द्वारा कृषि के बारे में दिये वक्तव्यों का संकलन है। दूसरे खंड का नाम भारतीय रेलवे है, इसमें नीतीश द्वारा रेलवे के बारे में दिये गए पाँच भाषण हैं। तीसरे खंड का नाम विकासशील भारत है, इसमें देश के बारे में नीतीश कुमार का नज़रिया है।
- चौथे खंड का नाम भारतीय समाज है, इसमें विभिन्न वर्गों की स्थिति के बारे में नीतीश कुमार के द्वारा किये गए ज़िक्र का उल्लेख है। अंतिम और पाँचवाँ खंड भारतीय राजनीति है। इसमें राजनीतिक स्थिति के बारे में नीतीश कुमार ने अपने भाषणों में ज़िक्र किया है।

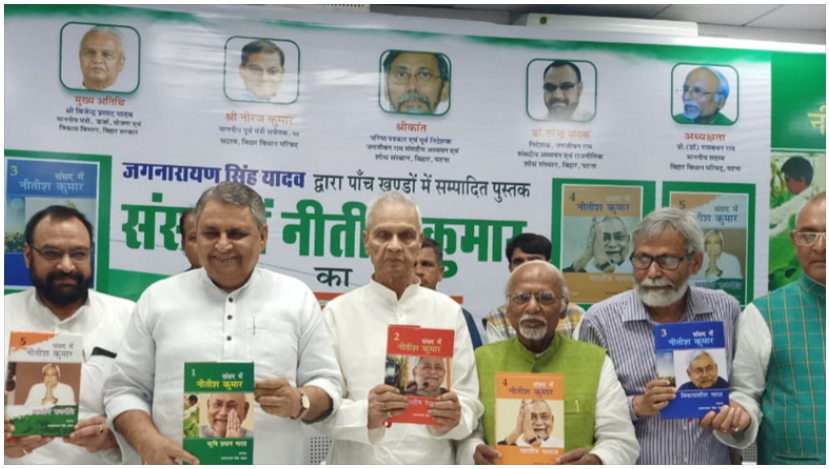

नोट :

जल संसाधन मंत्री ने 'कटाव निरोधक योजना' का किया लोकार्पण

चर्चा में क्यों ?

7 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के जल संसाधन मंत्री संजय कुमार झा ने राज्य के कटिहार ज़िले में संगम धाम त्रिमुहानी व दरभंगा ज़िले के लवानी में छह करोड़ रुपए की लागत से जीबछ-कमला नदी में बनाई गई 'कटाव निरोधक योजना' का लोकार्पण किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर जल संसाधन मंत्री ने कहा कि इस कटाव निरोधक कार्य से क्षेत्र के लोगों को काफी लाभ होगा। इस योजना को पूरा नहीं किया गया होता तो बाढ़ के समय में इस गाँव के कई घर नदी में समाहित हो सकते थे।
- उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बाढ़ व सुखाड़ से लोगों को निजात दिलाने के लिये कई योजनाएँ चला रही है। इसके तहत पहली बार पश्चिमी कोसी नहर योजना के माध्यम से मनीगाछी व बेनीपुर के लोगों को नहर के पानी से सिंचाई की सुविधा प्रारंभ हुई है।
- जलस्तर नीचे खिसकने जैसी समस्याओं का समाधान करने की दिशा में भी जल संसाधन विभाग द्वारा कार्य किया जा रहा है। नदी में पानी आने व मृत कमला नदी को जीवित करने का काम चल रहा है। इससे वाटर लेवल बना रहेगा।
- विदित है कि बिहार में नेपाल से बाढ़ आती है। नेपाल में यदि डैम का निर्माण हो जाता तो बिहार को स्थायी रूप से बाढ़ से निजात मिल जाती साथ ही बिजली का उत्पादन होता, इसके लिये दोनों देशों के बीच संधि भी हो चुकी है।

इंडो-जापान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का हुआ उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

6 अगस्त, 2023 को बिहार के आईआईटी पटना के 15वें स्थापना दिवस के मौके पर आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह और जापान एक्सटर्नल ट्रेड ऑर्गेनाइजेशन (जेट्रो) के चीफ डायरेक्टर जनरल ताकाशी सुजुकी ने इंडो-जापान सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) का उद्घाटन किया।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- इंडो-जापान सीओई (निहोन नो हाको) संस्थागत एवं एमएसएमई को बढ़ावा देने के लिये मदद करेगा। यह केंद्र बिहार और जापान के बीच इनोवेशन, तकनीक, व्यापार-कारोबार, कृषि उद्यम, शिक्षा के बीच दूरी को कम करेगा।
- आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. टीएन सिंह ने कहा कि यह सेंटर बिहार के मानव बल व जापान की तकनीक का मिलन स्थल बनेगा। जापान तकनीक और इनोवेशन का विश्व लीडर है। अकादमिक क्षेत्र में विकास के लिये बिहार के संस्थान जापान से एमओयू करेंगे।
- शिक्षण संस्थानों से सहयोग और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने के लिये हब का निर्माण होगा। बिहार में एमएसएमई की असीम संभावना है। यहाँ के उद्यमी एमएसएमई स्थापित करना चाहेंगे। उन्हें तकनीकी सहयोग सेंटर के माध्यम जापान की सरकार व उद्यमी उपलब्ध कराएंगे।
- बिहार में कृषि, शिक्षा, छोटे उद्योग, डेयरी आदि में असीम संभावनाएँ हैं। जापान के लिये बिहार को एक निवेश के हब के रूप में विकसित किया जाएगा।
- इंडो-जापान सीओई (निहोन नो हाको) संस्थागत एवं एसएमई के स्तर पर संस्थागत सहयोग को बढ़ाने में मदद करेगा। इससे भारत और जापान की सरकार, संस्थानों, व्यापार में सहयोग मिलेगा।
- इस अवसर पर जापान से पहुँचे प्रतिनिधियों ने कहा कि दोनों देशों की जनता में ऐतिहासिक मैत्री संबंध हैं तथा ये एक-दूसरे का सम्मान करते हैं, लेकिन भाषा दोनों देशों के बीच दीवार बन गई है। इसे दूर करने के लिये आईआईटी पटना और मासायुमे इंडिया द्वारा जापानी भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू किया जा रहा है।

- जापानी भाषा के कौशल की जाँच के जेएलपीटी नियमों के अनुरूप शिक्षा मंत्रालय (मोम्बुशो), जापान के अंतर्गत कार्य करेगा। 17 अगस्त को पहला बैच आरंभ हो जाएगा। सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त जापानी भाषा प्रशिक्षक छात्रों को प्रशिक्षण देंगे। आईआईटी पटना की वेबसाइट (https://wwwAiitp.ac.in/) पर इससे संबंधित विस्तृत जानकारी जल्द ही अपलोड कर दी जाएगी।
- सीओई स्थापित करने के मुख्य उद्देश्य:
  - अकादमिक क्षेत्र में सहयोग के लिये शिक्षण संस्थान और ज्ञान के आदान-प्रदान को बढ़ावा देने हेतु हब का निर्माण।
  - जापान के लिये बिहार को एक निवेश के हब के रूप में विकसित करना।
  - बिहार से नौकरी के लिये पलायन कर रहे युवाओं हेतु जापान को एक अच्छे विकल्प के रूप में प्रस्तुत करना।
  - नए स्टार्टअप, इन्क्युबेशन, नए शोध, सहकारिता, जॉइंट वेंचर इत्यादि को बढ़ावा देना।

नोट :

- सीओई की शुरुआत को लेकर आईआईटी पटना के निदेशक प्रो. (डॉ.) टीएन सिंह ने कहा कि दो देशों के बीच ऐसे संबंधों से तकनीक और ज्ञान के आदान-प्रदान के नए अवसर बनते हैं। सीओई की स्थापना रोज़गार के नए अवसरों को भी जन्म देती है, जो कि भारत के विकास के लिये अत्यंत आवश्यक है।
- विदित है कि सांस्कृतिक और धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से बिहार और जापान के संबंध काफी सुदृढ़ रहे हैं। तकनीक और अकादमिक क्षेत्रों में भी सहयोग बढ़ाकर पुराने संबंधों को ही और प्रगाढ़ कर रहे हैं। बोधगया की माटी का स्पर्श जीवन की सबसे बड़ी उपलब्धि हमारी संस्कृति में मानी जाती है।

बिहार कैबिनेट में 9 एजेंडों पर लगी मुहर

चर्चा में क्यों ?

8 अगस्त, 2023 को बिहार की राजधानी पटना के मुख्य सचिवालय भवन में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की अध्यक्षता में राज्य कैबिनेट की अहम बैठक हुई, जिसमें कुल नौ एजेंडों पर मुहर लगी।

प्रमुख बिंदु

- नौ एजेंडों में उद्योग विभाग, श्रम संसाधन विभाग, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग, नगर विकास एवं आवास विभाग इत्यादि की योजनाएँ शामिल हैं।
- पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में होगी बहाली : बैठक में पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग में साइंटिफिक ऑफिसर की बहाली होने पर मुहर लगाई गई है। यह अधिकारी बिहार राज्य जैव विविधिता परिषद् के ऑफिस में कार्यों का संचालन करेंगे। इसमें संविदा के आधार पर एक पद पर पदाधिकारी की नियुक्ति करने की स्वीकृति दी गई है।
- सारण-वैशाली में आईटीआई की स्थापना को मंज़ूरी: सारण ज़िले के गरखा और वैशाली के राघोपुर में नए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना योजना के तहत आईटीआई की स्थापना को मंज़ूरी दी गई। इसके लिये कुल 86 पद के सृजन के लिये भी कैबिनेट ने मंज़ूरी दी है। साथ ही, वित्तीय वर्ष 2023-24 में इसके लिये 468 करोड़ रुपए के आवंटन को मंज़ूर किया गया है।
- बिहार राज्य प्रवासी मज़दूर दुर्घटना अनुदान योजना के संशोधन को मंज़ूरी: कैबिनेट ने बिहार राज्य प्रवासी मज़दूर दुर्घटना अनुदान योजना नियमावली 2008 के नियम 5, 5 क एवं 5 ख के संशोधन के एजेंडे को पास कर दिया है। इसके फलस्वरूप अब बिहार राज्य प्रवासी मज़दूर दुर्घटना अनुदान योजना नियमावली 2023 लागू की जाएगी।
- दादाजी स्नैक्स को वित्तीय प्रोत्साहन क्लियरेंस: कैबिनेट की मीटिंग में पटना के मेसर्स दादाजी स्नैक्स प्राइवेट लिमिटेड को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली 2016 के नियम के आलोक में वित्तीय प्रोत्साहन क्लियरेंस को स्वीकृति दी गई है।
- एएफपी मैन्युफैक्चरिंग के लिये वित्तीय प्रोत्साहन को क्लियरेंस: कैबिनेट ने हाज़ीपुर से मेसर्स एएफपी मैन्युफैक्चरिंग कंपनी प्राइवेट लिमिटेड को बिहार औद्योगिक निवेश प्रोत्साहन नियमावली 2016 के नियम के आलोक में वित्तीय प्रोत्साहन को क्लियरेंस की स्वीकृति दी गई।
- औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिये 409 करोड़ रुपए की मंज़ूरी: वित्तीय वर्ष 2023-24 में राज्य में औद्योगिक क्षेत्रों के विकास के लिये 409 करोड़ रुपए खर्च किये जाएंगे। इसमें प्रथम अनुपूरक के रूप में डेढ़ सौ करोड़ की निकासी और खर्च करने की स्वीकृति दी गई है।
- राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के समझौता के प्रारूप को स्वीकृति: राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के अंतर्गत सामाजिक जागरूकता लाने और संस्थागत विकास घटक के क्रियान्वयन हेतु जीविका को हस्तांतरित करने से संबंधित समझौता के प्रारूप को स्वीकृति मिल गई है।
- विश्व बैंक की सहायता से एसटीपी लगाने की राशि स्वीकृत: कैबिनेट की बैठक में पटना शहर के कर्मलीचक ज़ोन में विश्व बैंक की सहायता से एसटीपी लगाने की योजना पर काम करने के लिये 98 करोड़ 59 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है। इसमें 62 करोड़ का केंद्रांश और राज्य की 30 प्रतिशत हिस्सेदारी, यानी 36 करोड़ रुपए राज्यांश का होगा।
- पटना म्यूजियम से बिहार म्यूजियम तक सब-वे के लिये 542 करोड़ रुपए मंज़ूर: बैठक में बिहार संग्रहालय को पटना संग्रहालय से जोड़ने के लिये सब वे निर्माण योजना के रिवाइज्ड एस्टिमेट (पुनरीक्षित प्राक्कलन) को स्वीकृति दे दी गई है, जो अब 542 करोड़ रुपए की है।

नोट :

राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिये बिहार के छह शिक्षक नामित

चर्चा में क्यों ?

9 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिये बिहार की तरफ से छह शिक्षक नामित/चयनित किये गए हैं।

प्रमुख बिंदु

- राज्य के नामित इन शिक्षकों में कैमूर ज़िला के रामगढ़ स्थित आदर्श बालिका प्लस टू उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के प्रधान शिक्षक अनिल कुमार सिंह, कटिहार ज़िले के मधेपुरा स्थित उत्क्रमित मध्य विद्यालय के शिक्षक अर्जुन कुमार साहा, सीतामढ़ी ज़िले के बनगंवा बाज़ार स्थित मध्य विद्यालय मधुबन के प्रधान शिक्षक द्विजेंद्र कुमार शामिल हैं।
- इनके अलावा राज्य के किशनगंज ज़िला स्थित सिंघिया प्लस टू उच्च विद्यालय की शिक्षक कुमारी गुड्डी, मधुबनी ज़िले के कलुआही स्थित प्लस टू उच्च विद्यालय मलमल की शिक्षक संगीता कुमारी और वैशाली ज़िले में हाज़ीपुर स्थित मध्य विद्यालय हरिहरपुर के प्रधानाध्यापक उमेश कुमार यादव शामिल हैं।
- जानकारी के मुताबिक राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये पूरे देश से 152 शिक्षकों को विभिन्न राज्यों से नामित किया गया हैं। इनमें से राष्ट्रीय पुरस्कार के लिये संभवत: 42 शिक्षकों का चयन किया जाना है।
- राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के लिये बिहार के छह नामित शिक्षकों ने चार सदस्यीय नेशनल ज्यूरी के सवालों के उत्तर दिये। ज्यूरी सदस्यों ने नामित शिक्षकों को अपने सारगर्भित सवालों की कसौटी पर खरा पाया।
- बिहार के शिक्षकों ने शिक्षा की बेहतरी के लिये अपने इनोवेटिव आइडिया से ज्यूरी को प्रभावित भी किया। शिक्षकों ने अपने-अपने प्रेजेंटेशन भी दिये।

नोट :

बिहार के 21 पुलिसकर्मियों को राष्ट्रीय पदक

चर्चा में क्यों ?

14 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर केंद्रीय गृह मंत्रालय ने देश भर के पुलिसकर्मियों को दिये जाने वाले पुरस्कारों की घोषणा की, जिनमें बिहार पुलिस के दो वरीय अधिकारियों सहित 21 पुलिस कर्मियों को शामिल किया गया है।

प्रमुख बिंदु

- 21 पुलिस कर्मियों में दो पुलिस पदाधिकारियों को वीरता के लिये पुलिस पदक, दो पुलिस पदाधिकारियों को विशिष्ट सेवा के लिये राष्ट्रपति पुलिस पदक तथा 17 पुलिस पदाधिकारियों एवं कर्मियों को सराहनीय सेवा के लिये पुलिस पदक से सम्मानित किया जाएगा।
- इनमें विशिष्ट सेवा के लिये पुलिस महानिदेशक, प्रशिक्षण प्रीता वर्मा एवं पुलिस महानिदेशक (बीएसएपी) अमरेंद्र कुमार अंबेडकर शामिल हैं।
- वहीं जिन दो पुलिस पदाधिकारियों को नक्सलियों को मार गिराने पर वीरता के लिये (गैलेंट्री) अवॉर्ड से सम्मानित किया जाएगा, उनमें पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार (वर्तमान में मधुबनी के पुलिस अधीक्षक) और लखीसराय में तैनात पुलिस अवर निरीक्षक अनिरुद्ध कुमार शामिल हैं।
- सराहनीय सेवा (मेरिटोरियस) के लिये पुलिस पदक पाने वाले 17 पुलिस कर्मियों में मधेपुरा के पुलिस अधीक्षक राजेश कुमार, कटिहार के रेल पुलिस अधीक्षक संजय भारती, सोनपुर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अंजनी कुमार, छपरा के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संतोष कुमार, पटना के अपर पुलिस अधीक्षक अजय कुमार, समस्तीपुर सदर के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी संजय कुमार पांडेय, एसटीएफ, पटना के पुलिस निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मेधावी, सीआईडी के सब इंस्पेक्टर बिन्नूरजक, पटना के एसएसपी कार्यालय में पुलिस अवर निरीक्षक गुलाम मुस्तफा, सीआईडी के पुलिस अवर निरीक्षक मो. इस्तखार खान, बक्सर स्थित डुमरांव के हवलदार अंगद सिंह यादव, सीआईडी के सहायक अवर निरीक्षक राहुल कुमार, सीआईडी, मद्य निषेध इकाई के सहायक अवर निरीक्षक इंद्र कमल झा, एसटीएफ, पटना के हवलदार विजय कुमार सिंह, नालंदा ज़िला बल के सिपाही अमरेंद्र कुमार मिश्रा, सीआईडी, पटना के सिपाही राहुल कुमार एवं मुंगेर ज़िला बल के सिपाही शंभु कुमार शामिल हैं।

नोट :

बिहार से जुड़ी दो रेल परियोजनाओं को मंज़ूरी मिली

चर्चा में क्यों ?

16 अगस्त, 2023 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति ने केंद्र सरकार के शत-प्रतिशत वित्तपोषण से रेल मंत्रालय की लगभग 32,500 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत वाली कुल 7 परियोजनाओं को मंज़ूरी प्रदान की, जिसमें बिहार की 2 परियोजनाएँ भी शामिल हैं।

प्रमुख बिंदु

- इन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं के प्रस्तावों से परिचालन में आसानी होगी और भीड़-भाड़ में कमी आएगी, जिससे भारतीय रेल के अति व्यस्त खंडों पर आवश्यक ढाँचागत विकास संभव हो सकेगा।
- 9 राज्यों, अर्थात् उत्तर प्रदेश, बिहार, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, ओडिशा, झारखंड और पश्चिम बंगाल के 35 ज़िलों को कवर करने वाली इन परियोजनाओं से भारतीय रेल के मौजूदा नेटवर्क में 2339 किमी. की वृद्धि होगी। इसके अलावा राज्यों के लोगों को 7.06 करोड़ मानव दिवसों का रोज़गार उपलब्ध हो सकेगा।
- ये खाद्यान्न, उर्वरक, कोयला, सीमेंट, फ्लाई-ऐश, लोहा और तैयार इस्पात, क्लिंकर, कच्चा तेल, चूना-पत्थर, खाद्य तेल आदि जैसी विभिन्न वस्तुओं की ढुलाई के लिये आवश्यक मार्ग हैं। क्षमता वृद्धि संबंधी कार्यों के परिणामस्वरूप अतिरिक्त 200 एमटीपीए (मिलियन टन प्रति वर्ष) माल की ढुलाई होगी। पर्यावरण के अनुकूल और ऊर्जा दक्ष परिवहन का माध्यम होने के कारण, रेलवे जलवायु लक्ष्यों को हासिल करने और देश की लॉजिस्टिक लागत में कमी लाने में मदद करेगा।

- उत्तर प्रदेश में मौजूदा गोरखपुर छावनी (वाल्मीकि नगर सिंगल लाइन सेक्शन) का 89.264 किमी. और बिहार (पश्चिमी चंपारण) के 6.676 किमी. का दोहरीकरण किया जाएगा।

नोट :

- इसी रूट पर गंडक नदी पर 854 मीटर लंबी पुल भी बनाया जाएगा। 12 स्टेशनों वाला यह ट्रैक नेपाल सीमा के पास से होकर गुज़रेगा। इस ट्रैक के दोहरीकरण के बाद इस रूट पर 15 अतिरिक्त मालगाड़ियाँ चलाई जा सकेंगी।
- सोन नगर-अंडाल मल्टी-ट्रैकिंग परियोजना की लंबाई 375 किमी. होगी। यह लुधियाना-सोननगर रेलखंड का विस्तार है, जिसके अंतर्गत बिहार (गया, औरंगाबाद) में 132.57 किमी, झारखंड (धनबाद, गिरिडीह, हज़ारीबाग, कोडरमा) में 201.608 किमी. और पश्चिम बंगाल (पश्चिम बर्धमान) में 40.35 किमी. लाइन शामिल हैं।
- ये परियोजनाएँ मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी के लिये पीएम-गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान का परिणाम हैं, जो समेकित आयोजना से संभव हो सका है। इनकी बदौलत लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की आवाजाही के लिये निर्बाध कनेक्टिविटी उपलब्ध हो सकेगी।
- ये परियोजनाएँ प्रधानमंत्री के नए भारत के विज़न के अनुरूप हैं, जो क्षेत्र में मल्टी-टास्किंग कार्यबल बनाकर क्षेत्र के लोगों को 'आत्मनिर्भर'बनाएंगी और उनके रोज़गार/स्वरोज़गार के अवसरों में वृद्धि करेंगी।

कृषि विभाग की झाँकी को मिला पहला स्थान

चर्चा में क्यों ?

15 अगस्त, 2023 को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पटना के गांधी मैदान में आयोजित समारोह में 13 झाँकियों का प्रदर्शन हुआ, जिसमें कृषि विभाग की झाँकी को पहला स्थान मिला।

प्रमुख बिंदु

- स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अलग-अलग विभागों की कई सारी मनमोहक झाँकियाँ निकाली गईं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने झाँकियों के परेड को सलामी दी। सभी विभाग की झाँकियाँ अलग-अलग संदेश दे रही थीं।
- कला, संस्कृति एवं युवा विभाग तथा जीविका को संयुक्त रूप से दूसरा और नगर विकास एवं आवास विभाग तथा पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को संयुक्त रूप से तीसरा स्थान प्राप्त हुआ।
- सूचना जनसंपर्क विभाग की झाँकी को भी लोगों ने पसंद किया। इस झाँकी को काफी सराहना मिली।

नोट :

नोट :

बिहार के बाढ़ में एनटीपीसी की 660 मेगावाट की सुपर थर्मल पावर परियोजना राष्ट्र को समर्पित

चर्चा में क्यों ?

- 18 अगस्त, 2023 को केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने बिहार के बाढ़ में बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट की 660 मेगावाट की इकाई राष्ट्र को समर्पित की।

प्रमुख बिंदु

- उद्घाटन की गई 660 मेगावाट इकाई परियोजना के चरण-I की इकाई-2 है। यह इकाई शुरू होने से राष्ट्र को विश्वसनीय एवं सस्ती बिजली उपलब्ध कराने के सरकार के प्रयास में एक और मील का पत्थर साबित होगा।
- बाढ़ सुपर थर्मल पावर प्रोजेक्ट एक 3GW सुपरक्रिटिकल कोयला आधारित बिजली स्टेशन है, जिसे नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (NTPC) द्वारा बाढ़, बिहार में विकसित किया जा रहा है।
- बिजली संयंत्र में 660 मेगावाट क्षमता की कुल पाँच कोयला आधारित बिजली उत्पादन इकाइयाँ होंगी।
- मेगा पावर प्रोजेक्ट को दो चरणों में विकसित किया जा रहा है। चरण एक में 1,980 मेगावाट की कुल स्थापित क्षमता के लिये तीन इकाइयाँ शामिल हैं और चरण दो में 1,320 मेगावाट की कुल क्षमता के लिये दो इकाइयाँ शामिल हैं।

नोट :

बिहार के लखीसराय में पावर ग्रिड सब-स्टेशन के विस्तार की आधारशिला रखी गई

चर्चा में क्यों ?

- 18 अगस्त, 2023 को केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने बिहार के लखीसराय में पावरग्रिड के 400/132 केवी लखीसराय उप-स्टेशन के विस्तार की आधारशिला रखी।

प्रमुख बिंदु

- इस उप-स्टेशन का निर्माण पावर ग्रिड कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा किया गया है। यह भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम है।
- परियोजना के हिस्से के रूप में, मौजूदा सब-स्टेशन परिसर में 500 एमवीए क्षमता के 2 ट्रांसफार्मर की स्थापना के साथ 220 केवी जीआईएस का निर्माण किया जाएगा।
- केंद्रीय विद्युत और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने कहा कि लखीसराय मंट पावर ग्रिड के सब स्टेशन के विस्तार से क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता में काफी सुधार होगा। इससे पूरे बिहार को फायदा होगा।
- लखीसराय में सबस्टेशन के विस्तार से लखीसराय, शेखपुरा, मुंगेर और जमुई ज़िलों में बिजली की उपलब्धता में सुधार होगा और भविष्य की ऊर्जा मांग को पूरा करने के लिये बिजली की आपूर्ति में भी आसानी होगी।
- लखीसराय सब-स्टेशन में 220 केवी वोल्टेज स्तर की अत्याधुनिक जीआईएस तकनीक की स्थापना से क्षेत्र की राष्ट्रीय ग्रिड से कनेक्टिविटी और मज़बूत होगी। निर्बाध बिजली आपूर्ति के प्रावधान से क्षेत्र का औद्योगिक और वाणिज्यिक विकास भी होगा।

नोट :

बिहार पर्यटन विभाग एवं भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के मध्य समझौता

चर्चा में क्यों ?

- 22 अगस्त, 2023 को बिहार में रिवर क्रूज पर्यटन को बढ़ावा देने के लिये पर्यटन विभाग और भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ समझौता हुआ है।

प्रमुख बिंदु

- 300-300 पर्यटकों की क्षमता वाले रो पैक्स वैसेल नाम के दो जलयान पटना और भागलपुर में चलेंगे। दोनों जलयान राज्य में क्रूज पर्यटकीय सुविधाओं के लिहाज से आकर्षण के नए केंद्र होंगे।
- जलयान एमवी स्वामी परमहंस का परिचालन पटना के दीघा घाट से कंगन घाट तक होगा।
- पर्यटक क्रूज पटना के सभी घाटों का परिभ्रमण करते हुए कंगनघाट से गुरु गोबिंद सिंह की जन्मस्थली तख्त श्री हरिमिंदर साहिब के भी दर्शन के लिये जा सकेंगे।
- वहीं, भागलपुर में एमवी राजेंद्र प्रसाद जलयान कहलगाँव, सुल्तानगंज, बटेश्वर स्थान होते हुए विक्रमशिला (डॉल्फिन सेंचुरी) के बीच संचालित होगा।
- यह जलयान करीब 15 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार से पटना और भागलपुर के गंगा घाटों की सैर कराएगा। परीक्षण सफल होने के बाद इसके व्यावसायिक कार्यक्रम का उद्घाटन आने वाले दिनों में उपमुख्यमंत्री करेंगे।
- बिहार पर्यटन विकास निगम ने जलयान की किराये की सूची भी जारी कर दी है। जलयान से 45 मिनट घूमने के लिये आम लोगों को 300 रुपए देने पड़ेंगे।
- एक घंटे की पैकेज बुकिंग का किराया 30000 रुपए, 2 घंटे का 50000 रुपए, 4 घंटे का 100000 रुपए, 6 घंटे का 125000 रुपए और 8 घंटे का 150000 रुपए निर्धारित किया गया है।

नोट :

देश के सबसे बड़े एग्जाम सेंटर 'बापू परीक्षा परिसर' का पटना में हुआ उद्घाटन

चर्चा में क्यों ?

23 अगस्त, 2023 को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पटना के कुम्हरार में देश के सबसे बड़े परीक्षा केंद्र 'बापू परीक्षा परिसर' का उद्घाटन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस केंद्र पर 16 से 20 हज़ार विद्यार्थी ऑनलाइन और ऑफलाइन परीक्षा दे सकेंगे। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 'बापू परीक्षा परिसर'में पौधारोपण भी किया।

नोट :

- परीक्षा व्यवस्था को और उत्कृष्ट बनाने के लिये 281.11 करोड़ रुपए की लागत से कुम्हरार इलाके में लगभग छह एकड़ में 'बापू परीक्षा परिसर'का निर्माण किया गया है।
- मुख्यमंत्री ने बिहार बोर्ड के मेधावी विद्यार्थियों के लिये इंजीनियरिंग एवं मेडिकल प्रवेश परीक्षाओं की तैयारी के लिये नि:शुल्क कोचिंग की भी शुरुआत की।
- बिहार विद्यालय परीक्षा बोर्ड द्वारा पटना प्रमंडल में नि:शुल्क आवासीय कोचिंग और शेष आठ प्रमंडलीय मुख्यालयों में नि:शुल्क गैर-आवासीय कोचिंग कार्यक्रम की शुरुआत की गई।
- आधुनिक सुविधाओं से युक्त इस परीक्षा केंद्र में ऐसी व्यवस्था की गई है कि विभिन्न परीक्षाओं के संचालन में किसी प्रकार की दिक्कत नहीं हो।
- इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने रिमोट के माध्यम से बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की विभिन्न योजनाओं का भी शुभारंभ किया।
- मुख्यमंत्री ने दूसरे चरण की कार्ययोजना की भी शुरुआत की। दूसरे चरण में राज्य के 29 ज़िलों में परीक्षा भवन और 38 ज़िलों में वज्रगृह की स्थापना होगी। राज्य के सभी नौ प्रमंडलों में कंप्यूटर आधारित परीक्षा के लिये ऑनलाइन परीक्षा केंद्रों-सह-कंप्यूटर प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की जाएगी।
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की सभी सेवाओं के लिये सिंगल विंडो सिस्टम की व्यवस्था की जाएगी। नए इंटर एवं मैट्रिक स्तरीय शिक्षण संस्थानों के लिये जीआईएस बेस्ड ऑनलाइन एफलियेशन एंड इंस्पेक्शन सिस्टम की व्यवस्था होगी।
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की सभी परीक्षाओं में आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस आधारित फॉर्म भरने की प्रक्रिया एवं आर्टिफिशियल बेस्ड डेटा सैनिटाइजेशन की व्यवस्था होगी।
- बिहार विद्यालय परीक्षा समिति की सभी परीक्षाओं में आरएफआईडी बेस्ड सिक्यूरिटी एवं ट्रैकिंग सिस्टम की व्यवस्था होगी।

बिहार के 4 किसानों और 2 किसान समूहों का जीनोम सेवियर पुरस्कार के लिये चयन

चर्चा में क्यों ?

24 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के 4 किसानों और 2 किसान समूहों को जीनोम सेवियर पुरस्कार के लिये चुना गया है। इन किसानों को केंद्रीय कृषि मंत्रालय द्वारा 12 सितंबर को दिल्ली में सम्मानित किया जाएगा।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- यह किसानों के लिये सर्वश्रेष्ठ पुरस्कारों में गिना जाता है। ये सभी किसान और किसान समूह बिहार कृषि विश्वविद्यालय से जुड़े हुये हैं।
- इस पुरस्कार में दो किसान समूहों को दस-दस लाख रुपए और चार किसानों को एक-एक लाख रुपए दिये जाएंगे। इसके साथ उन्हें प्रमाणपत्र और प्रशस्तिपत्र दिये जाएंगे। यह पुरस्कार बिहार कृषि विश्वविद्यालय (बीएयू) से जुड़े किसानों को पहली बार मिल रहा है।
- इसमें एक किसान समूह पुरस्कार भागलपुर के 'भागलपुर कतरनी धान उत्पादक संघ'को मिलेगा। इस संघ को कतरनी धान की परंपरागत वैरायटी और उसके गुणों को संरक्षित करने के लिये दिया जा रहा है।
- वहीं मुजफ्फरपुर के 'लीची ग्रोवर्स एसोसिएशन ऑफ बिहार'को शाही लीची की वैरायटी को संरक्षित करने के लिये दिया जाएगा
- यह लीची उत्पादक संघ कई वर्षों से शाही लीची के संरक्षण का कार्य कर रहा है, जिसके कारण इसको एक विशेष पहचान मिली है।
- वहीं व्यक्तिगत रूप से चार किसानों को सम्मानित किया जाएगा, जिसमें जमुई ज़िले के अर्जुन मंडल को औषधीय पौधों के लिये दिया जाएगा। इनके पास 100 से अधिक प्रजातियों के औषधीय पौधे हैं।
- रोहतास ज़िले के अर्जुन सिंह को स्वेता नाम के 'कद्दू'और 'नटकी'धान के लिये दिया जा रहा है। नटकी धान की खासियत है कि वह कम बारिश में भी अच्छी उपज देती है और चावल सुपाच्य है।
- सासाराम ज़िले के दिलीप कुमार सिंह को 'गुल्गुशन'नामक टमाटर के संरक्षण के लिये दिया जाएगा। इस टमाटर में अन्य टमाटर की वैरायटी की अपेक्षा औषधीय गुण अधिक है।
- मुंगेर ज़िले के सत्यदेव सिंह को 'टिटुआ मसूर'के संरक्षण के लिये दिया जाएगा। इस वैरायटी की विशेषता यह है कि इसमें रोग प्रतिरोधी क्षमता ज़्यादा है।
- बीएयू के पीजीवीएफआरए (पौधा किस्म संरक्षण एवं किसान अधिकार प्राधिकरण) सेल के नोडल पदाधिकारी डॉ. सत्येंद्र ने बताया कि खास किस्म या पुरानी प्रजातियों को, जिनका गुणात्मक महत्त्व ज्यादा हो, वाले पौध के संरक्षण के लिये किसानों को उनके प्रोत्साहन के लिये यह पुरस्कार दिया जाता है।

नोट :

बिहार के 3 अध्यापकों को मिलेगा राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार

चर्चा में क्यों ?

27 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार 2023 के तहत देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों की घोषणा कर दी है। इसके तहत बिहार के तीन शिक्षक देश के सर्वश्रेष्ठ शिक्षकों की सूची में शामिल किये गए हैं।

नोट :

प्रमुख बिंदु

- देश भर के सभी राज्यों से 2023 के राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार के लिये 100 से अधिक शिक्षकों ने प्रेजेंटेशन में भाग लिया था।
- स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा देश के 50 शिक्षकों को इस पुरस्कार के लिये चयनित किया गया है।
- जानकारी के अनुसार बिहार से 6 शिक्षकों की सूची केंद्र सरकार को भेजी गई थी, जिसमें तीन शिक्षकों को सर्वश्रेष्ठ शिक्षक के रूप में चयनित किया गया।
- इन शिक्षकों में आदर्श गर्ल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल, रामगढ़ के शिक्षक अनिल कुमार सिंह, सीतामढ़ी के मिडिल स्कूल मधुबन के शिक्षक द्विजेंद्र कुमार सुमन और किशनगंज में उच्च विद्यालय सिंघिया की शिक्षका कुमारी गुड्डी को चयनित किया गया है।
- चयनित अध्यापकों को 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के अवसर पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित करेंगी।

नोट :

सुशील मोदी और विवेक ठाकुर बनाए गए संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष

चर्चा में क्यों ?

29 अगस्त, 2023 को मीडिया से मिली जानकारी के अनुसार बिहार के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी को कार्मिक, लोक शिकायत, कानून और न्याय समिति का अध्यक्ष और भाजपा सांसद विवेक ठाकुर को शिक्षा, महिला, बच्चे, युवा और खेल संबंधी समिति का अध्यक्ष बनाया गया है।

प्रमुख बिंदु

- राज्यसभा के सभापति ने लोकसभा अध्यक्ष के परामर्श से, राज्यसभा सभापति के प्रशासनिक अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली आठ विभाग-संबंधित संसदीय स्थायी समितियों का पुनर्गठन किया है।
- इसमें बिहार से आने वाले कई राज्यसभा और लोकसभा सांसदों को जगह दी गई है। वहीं आठ में से 2 संसदीय स्थायी समितियों के अध्यक्ष की ज़िम्मेदारी बिहार के दो सांसदों क्रमश: सुशील कुमार मोदी और विवेक ठाकुर को दी गई है।
- वहीं, लोजपा रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान को उद्योग समिति में सदस्य बनाया गया है।
- वर्तमान में 24 विभाग संबंधी स्थायी समितियाँ हैं। इनमें से प्रत्येक समिति में 31 सदस्य हैं, जिनमें से 21 लोकसभा और 10 राज्यसभा से हैं। ऐसे में अब आठ डीआरएससी का पुनर्गठन किया गया है।

राजकीय शिक्षा पुरस्कार के लिये 20 शिक्षक/शिक्षिकाएँ चयनित

चर्चा में क्यों ?

30 अगस्त, 2023 को बिहार राज्य शिक्षा विभाग ने राज्य के 20 शिक्षकों/शिक्षिकाओं का चयन राज्य के शिक्षक पुरस्कार के लिये किया है।

प्रमुख बिंदु

- चयनित शिक्षकों/शिक्षिकाओं को 5 सितंबर शिक्षक दिवस के दिन पटना में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार सम्मानित करेंगे।
- राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिये चयनित शिक्षक-
  - अर्जुन साहा (उ.मा.वि. कटिहार), उमेश कुमार यादव (राजकीय मा.वि. हरिहपुर वैशाली), राजीव कुमार (उ.मा.वि. मोहनिया कैमूर), मनीष कुमार (बक्सर प्लस टू उ.वि. सिमरी), कौशल किशोर (औरंगाबाद मा.वि. बसडीहा), पृथ्वी सिंह (वैशाली), शफुजमान (उ.मा.वि. जहाँगीरपुर), संजय कुमार (रोहतास डेहरी रा.मा.वि. शिवगंज), संजय कुमार पोद्दार (रुचियाही उ.मा.वि., बेगूसराय), वैद्यनाथ रजक (प्रा.वि. मालदहा, समस्तीपुर), सुरेश कुमार सिंह (उर्दू मा.वि. बगाही, भोजपुर), अनिल कुमार (आरपीसीजेएस विद्यालय), अनूप निरंजन (बुबना उ.मा.वि., समस्तीपुर), सुबीर बनर्जी (बधिर बा.वि., पटना)।
- राज्य शिक्षक पुरस्कार के लिये चयनित शिक्षिकाएँ-
  - संगीता (उ.वि. मलमल मधुबनी), पुष्पा कुमारी (मा.वि. लक्ष्मीसागर दरभंगा), पूनम (रोहतास बालिका उ.मा.वि.), डॉ. पूनम सिन्हा (रा.बा.उ.मा.वि., पटना), नीतू शाही (प्रा.वि. पटना), प्रियंका कुमारी (गलइटोल मा.वि., सीतामढ़ी), स्वर्णलता (बालिका मा.वि. अमदाबाद, कटिहार)।

नोट :